दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

ललितनारायण मिथिलाविश्वविद्यालय, कामेश्वरनगर, दरभंगा-846 004(बिहार)

फोन एवंफैक्स : 06272 - 246506, वेबसाईट :www.ddelnmu.ac.in**,ई-मेल:**dde@lnmu.ac.in

दत्त कार्य दिसम्बर 2022

सभी प्रश्नों के उत्तर दें। **एम. ए. हिन्दी (उत्तरार्द्ध)** अंकभार:- 30%

प्रत्येक प्रश्न के उत्तर अधिकतम 800 शब्दों में दें।

नवम पत्र:-हिन्दी साहित्य का इतिहास

1.हिन्दी साहित्य में आधुनिक प्रवृत्तियों के आरम्भ का आकलन करें।
2.आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के महत्व पर प्रकाश डालिये।
3.प्रयोगवाद की प्रवृचियों का विश्लेषण कीजिए।

दशम पत्र:-भारतीय काव्य शास्त्र

1.काव्य 'शब्द' है या 'शब्दार्थ युगल' विश्लेषण करें।
2.काव्य दोष सम्बन्धी प्रमुख आचार्यों के मत का प्रतिपादन करें।
3. वक्रोक्ती–सिद्धान्त का विकासात्मक परिचय दें।

एकादश पत्र:-पाश्चात्य काव्य शास्त्र

1.कॉलरिज की जीवनी एवं व्यक्तित्व का परिचय उपस्थापित करें।
2.इलियट की परम्परा एवं वैक्तित्व प्रज्ञा पर प्रकाश डालिये।
3.मूल्य–अवधरणा की समीक्षा कीजिए।

द्वादश पत्र:-छायावादोत्तरकाव्य

1.अज्ञेय के जीवन एवंकवि–व्यक्तित्वकापरिचय उपस्थितकरें।
2.नागार्जुन की काव्यकला की विवेचनाकीजिए।
3.मुक्तिबोध कीकवितामें 'फैण्टेसी' के महत्वकाप्रतिपादनकरें।

त्रयोदश पत्र:- पत्रकारिता-प्रशिक्षण

1.सम्पादन–कला के सामान्य सिद्धान्तों की विवेचना करें।
2.पत्रकारिता के प्रबन्धन का परिचय दें।
3.सूचना के अधिकार पर विस्तृत टिपण्णी दें।

चतुर्दश पत्र:-निबन्ध एवंनाटक

1.नाट्यकला की दृष्टि से 'आधे–अधूरे' की समीक्षा करें।
2.'प्रभूदीया हमबाती' शीर्षक निबन्ध की विषय–वस्तु पर प्रकाश डालें।
3.शुक्ल जी के कविता क्या है शीर्षक निबन्ध का सारंश प्रस्तुत करें।

पंचदश पत्र:-

1.सौन्दर्यशास्त्रीय आलोचना के सिद्धान्तों की व्याख्या करें।
2.डॉ. रामविलास शर्मा के समीक्षा–सिद्धान्तों का महत्व प्रतिपादित करें।
3.मार्क्सवादी अथवा जनवादी आलोचना के सिद्धान्तों की समीक्षा करें।

***Assignment जमा करने की अंतिम तिथि:-15.12.2022**